2026

HINDI

(Major)

Paper : HIN0600304

(हिन्दी नाटक एवं एकांकी)

Full Marks : 60

Time : 2½ hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) हिन्दी नाटक का जनक किसे माना जाता है?

(ख) एकांकी में सामान्यतः कितने अंक होते हैं?

(ग) 'भारत दुर्दशा' नाटक का प्रकाशन-वर्ष क्या है?

(घ) पठित नाटक में उल्लिखित कालिदास की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(ङ) 'भोर का तारा' किस विधा की रचना है?

(च) 'विषकन्या' एकांकी के लेखक कौन हैं?

(छ) नाटककार लक्ष्मीनारायण लाल को संगीत नाटक अकादेमी द्वारा श्रेष्ठ नाटककार का सम्मान कब प्राप्त हुआ था?

(ज) लक्ष्मीनारायण मिश्र द्वारा लिखित किसी एक नाटक का नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **छः** के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×6=12

(क) नाटक और एकांकी में दो अंतर लिखिए।

(ख) "यह मेरा वर्तमान है" —'आषाढ़ का एक दिन' नाटक में मल्लिका किस वर्तमान की बात कर रही है?

(ग) नाटककार जयशंकर प्रसाद द्वारा लिखित किन्हीं दो ऐतिहासिक नाटकों के नाम लिखिए।

(घ) "दूध, औलाद और स्त्री को बिगड़ते देर नहीं लगती बाबूजी!" पठित एकांकी में किसने किससे ऐसा कहा है?

(ङ) नाटक की एक परिभाषा लिखिए।

(च) विषकन्या का परिचय दीजिए।

(छ) "अंग्रेज राज सुख साज सजे सब भारी।
पै धन विदेश चलि जात इहै अति ख्वारी॥"
उपर्युक्त पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ज) 'भोर का तारा' एकांकी में शेखर और छाया से माधव किस बात की भीख माँगता है?

(झ) नाटक के दो प्रमुख तत्त्व क्या-क्या हैं?

(ञ) नाटककार लक्ष्मीनारायण लाल द्वारा लिखित किन्हीं दो नाट्यकृतियों के नाम लिखिए।

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×4=20

(क) एकांकी की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(ख) 'भारत दुर्दशा' नाटक का मुख्य विषय क्या है? संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

(ग) नाटक के प्रकारों का उल्लेख कीजिए।

(घ) 'यह स्वतंत्रता का युग' एकांकी के नामकरण की सार्थकता पर विचार कीजिए।

(ङ) हिन्दी नाट्य साहित्य में नाटककार उपेन्द्रनाथ अश्क के योगदान पर प्रकाश डालिए।

(च) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की नारी-पात्र मल्लिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(छ) "माधव, तुमने तो मेरा प्रभाव नष्ट कर दिया" —'भोर का तारा' एकांकी में यह संवाद किसने, किससे और किस प्रसंग में कहा था?

(ज) लक्ष्मीनारायण मिश्र के नाटकों की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×2=20

(क) हिन्दी नाटक के उद्भव और विकास पर एक लेख प्रस्तुत कीजिए।

(ख) नाटक के तत्त्वों के आधार पर 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की समीक्षा कीजिए।

(ग) जयशंकर प्रसाद के साहित्यिक व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

(घ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के 'भारत दुर्दशा' नाटक में तत्कालीन राजनीतिक और सामाजिक स्थिति का चित्रण किस प्रकार किया गया है? स्पष्ट कीजिए।

(ङ) निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"निस्सन्देह! मेरे अतिरिक्त और भी कोई तुम इस प्रकोष्ठ में साँस ले रहे हो? सामने क्यों नहीं आते? किसी भी भावना में तुम्हारा स्वागत है। हो तो वैसा कहो, नहीं तो मैं अपने उतारे हुए आयुध फिर उठा लूँगा।"

★★★